NIC

409

MOST-IMMEDIATE
BY FAX

No. B-17011/3/2014-GA
Government of India
Ministry of Water Resources, RD &GR
****

Shram Shakti Bhavan, Rafi Marg,
New Delhi, dated 30th September, 2014.

CIRCULAR

Subject: Launching of "Swachh Bharat" Abhiyan.

In continuation to this Ministry's Ciruclar of even number dated 25.9.2014 on the above subject, the competent Authority has decided as follows:-

(i) The month of October 2014 will be observed as "Swachh Mahina" in the Ministry and all attached offices/institutions.

(ii) All Subordinate/Attached Offices/PSUs are also directed to take up special cleanliness drives during this campaign period.

(iii) Extensive cleanliness drive to clean corridors, Sections, etc. has already been undertaken in the right earnest in pursuance of the Cabinet Secretays's D.O letter dated, 5th June, 2014. It will continue with greater focus and vigour.

(iv) All toilets of the Ministry/Offices are kept clean.

2. A copy of the Pledge to be administered on 2.10.2014 at 10.30 AM is attached herewith. All officers / officials of MoWR, RD GR are advised to kindly attend the Pledge Ceremony to be held at the office premises of MoWR, RD & GR in Shram Shakti Bhawan at **10.30 AM on 2.10.2014**.

3. All attached offices/organizations under MoWR, RD & GR are advised to organize similar functions at their respective premises and field units.

(Khatchin Langel)
Director (Admn & GA)
☎ 23714734

To,
i. All Wing/Divisional Heads, MoWR, RD &GR
ii. All Sections in MoWR, RD & GR
iii. JS &MD (NMCG), MoWR, RD &GR.
iv. NIC Cell/Notice Board

Copy to:
1. All Heads of Organisations/PSUs under MoWR, RD &GR.
2. Sr. PPS to Secy (WR, RD &GR)/PS to AS (WR, RD &GR)

स्वच्छता शपथ

महात्मा गांधी ने जिस भारत का सपना देखा था उसमें सिर्फ राजनैतिक आजादी ही नहीं थी, बल्कि एक स्वच्छ एवं विकसित देश की कल्पना भी थी।

महात्मा गांधी ने गुलामी की जंजीरों को तोड़कर माँ भारती को आज़ाद कराया।

अब हमारा कर्तव्य है कि गंदगी को दूर करके भारत माता की सेवा करें।

मैं शपथ लेता हूं कि मैं स्वयं स्वच्छता के प्रति सजग रहूंगा और उसके लिए समय दूंगा।

हर वर्ष 100 घंटे यानी हर सप्ताह 2 घंटे श्रमदान करके स्वच्छता के इस संकल्प को चरितार्थ करूंगा।

मैं न गंदगी करूंगा न किसी और को करने दूंगा।

सबसे पहले मैं स्वयं से, मेरे परिवार से, मेरे मुहल्ले से, मेरे गांव से एवं मेरे कार्यस्थल से शुरुआत करूंगा।

मैं यह मानता हूं कि दुनिया के जो भी देश स्वच्छ दिखते हैं उसका कारण यह है कि वहां के नागरिक गंदगी नहीं करते और न ही होने देते हैं।

इस विचार के साथ मैं गांव-गांव और गली-गली स्वच्छ भारत मिशन का प्रचार करूंगा।

मैं आज जो शपथ ले रहा हूं, वह अन्य 100 व्यक्तियों से भी करवाऊंगा।

वे भी मेरी तरह स्वच्छता के लिए 100 घंटे दें, इसके लिए प्रयास करूंगा।

मुझे मालूम है कि स्वच्छता की तरफ बढ़ाया गया मेरा एक कदम पूरे भारत देश को स्वच्छ बनाने में मदद करेगा।

***